वृक्ष उत्पादकों का मेला
TREE GROWERS' MELA

Theme: The Future is Green: Invest in Trees

आइजोल, मिजोरम
Aizawl, Mizoram

24 – 25 मार्च 2025
24th – 25th March 2025

आयोजक

भा.वा.अ.शि.प.–बांस एवं बेंत केंद्र

बेथलहम वेन्गथलांग
आइजोल, मिज़ोरम
796008

Organized by

I.C.F.R.E. – Bamboo & Rattan Centre

Bethlehem Vengthlang
Aizawl, Mizoram
796008

वृक्ष उत्पादकों का मेला

आयोजन का नाम	वृक्ष उत्पादकों का मेला
तिथि	24/03/25 से 25/03/25
अवधि	2 दिन
कार्यक्रम का स्थान	आइजल क्लब पार्क, खटला, आइजोल, मिजोरम
उद्देश्य/एजेंडा	किसानों को अपने उत्पादों को प्रदर्शित करने और बेचने के लिए मंच प्रदान करना, वैज्ञानिक और तकनीकी कर्मियों के साथ बातचीत करना तथा लोगों में पेड़ लगाने के लाभों के बारे में जागरूकता पैदा करना।
प्रतिभागियों की संख्या	100
आगंतुकों की संख्या	लगभग 2000
आयोजन करने वाली संस्था	आईसीएफआरई-बीआरसी, बेथलहम वेंगथलांग, आइजोल, मिजोरम
अनुदान देने वाली संस्था	भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद (आईसीएफआरई), देहरादून (कैम्पा विस्तार केअंतर्गत)

प्रशिक्षण का विवरण:

आईसीएफआरई-बांस और रतन केंद्र (आईसीएफआरई-बीआरसी), आइजोल ने 24 से 25 मार्च, 2025 तक आइजल क्लब पार्क में "भविष्य हरा है: पेड़ों में निवेश करें" थीम पर वृक्ष उत्पादक मेला (टीजीएम) का आयोजन किया। उद्घाटन सत्र 24 मार्च को सुबह 10:00 बजे शुरू हुआ। वैज्ञानिक-डी और आईसीएफआरई-बीआरसी के प्रमुख **श्री संदीप यादव** ने उपस्थित लोगों का स्वागत किया और मेले की अवधारणा पेश की, पर्यावरण संरक्षण जागरूकता में इसकी भूमिका पर प्रकाश डाला।

आईसीएफआरई-आरएफआरआई, जोरहाट के निदेशक **डॉ. नितिन कुलकर्णी** ने वर्चुअल रूप से भाग लेते हुए जलवायु परिवर्तन के ज्वलंत मुद्दे पर श्रोताओं को संबोधित किया। उन्होंने जलवायु शमन के लिए एक प्रमुख रणनीति के रूप में अधिक से अधिक वृक्षारोपण की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। उन्होंने वृक्षारोपण और पर्यावरण संरक्षण के बारे में युवाओं को शिक्षित करने में मेले के बहुमूल्य योगदान पर जोर दिया और एक सफल और उत्पादक आयोजन की अपनी आशा व्यक्त की।

मुख्य अतिथि, **पु लालनुनसांगा खौल्हिंग**, डीएफओ आइजोल, ने आईसीएफआरई केंद्र की मेजबानी करने में मिजोरम के लाभ को स्वीकार किया। उन्होंने जलवायु परिवर्तन के तथ्यात्मक आधार को रेखांकित किया, महत्वपूर्ण पर्यावरणीय क्षति की संभावना पर जोर दिया, और एक टिकाऊ और किफायती प्रतिक्रिया के रूप में वृक्षारोपण को बढ़ावा दिया।

अपने संबोधन में, मुख्य अतिथि, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग की सचिव, आईएएस, **पी रामदिनलियानी** ने प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने उत्पादकों के बीच वृक्षारोपण को बढ़ाने में मेले के योगदान पर प्रकाश डाला, और इस बात पर जोर दिया कि वृक्षारोपण एक महत्वपूर्ण, आजीवन निवेश का प्रतिनिधित्व करता है।

मुख्य अतिथि, माननीय बागवानी विभाग के **मंत्री प्रो. लालनीलावमा** ने एक सम्मोहक भाषण दिया, जिसमें पेड़ों के बहुमुखी महत्व को रेखांकित किया गया। उन्होंने गहन पर्यावरणीय लाभों पर विस्तार से चर्चा की, यह रेखांकित करते हुए कि कैसे पेड़ कार्बन पृथक्करण जैसी प्रक्रियाओं के माध्यम से हमारे पारिस्थितिकी तंत्र के महत्वपूर्ण संरक्षक के रूप में कार्य करते हैं, जो जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसके अलावा, उन्होंने लकड़ी और फलों के उत्पादन से लेकर स्थायी आजीविका के निर्माण तक पेड़ों द्वारा प्रदान किए जाने वाले महत्वपूर्ण आर्थिक लाभों पर प्रकाश डाला। समान रूप से महत्वपूर्ण, मंत्री ने सामाजिक लाभों पर जोर दिया, समुदाय की भलाई और जीवन की गुणवत्ता में सुधार के लिए हरित स्थानों के योगदान को मान्यता दी। भविष्य को देखते हुए, उन्होंने बीआरसी के साथ सहयोगी साझेदारी बनाने में बागवानी विभाग की गहरी रुचि व्यक्त की, विशेष रूप से रतन की खेती और टिकाऊ प्रबंधन पर ध्यान केंद्रित किया।

कार्यक्रम की कार्यवाही के भाग के रूप में श्री संदीप यादव, डॉ. हंस राज शर्मा और डॉ. मनीष कुमार सिंह द्वारा लिखित एक महत्वपूर्ण प्रकाशन, "**लाइकेंस ऑफ मिजोरम**" का विमोचन किया गया।

आईसीएफआरई-बीआरसी आइजोल में वैज्ञानिक-बी **श्री सुभाप्रदा बेहरा** ने धन्यवाद ज्ञापन के साथ उद्घाटन सत्र का समापन किया।

प्रोफेसर लालनीलावमा ने सम्मानित गणमान्य व्यक्तियों के साथ मिलकर इस **भव्य प्रदर्शनी** का औपचारिक उद्घाटन किया। प्रदर्शनी में लगभग बीस विभिन्न स्टॉल थे। मिजोरम के बोनसाई एसोसिएशन, मिजोरम फ्लोरिस्ट्स एसोसिएशन और मिजोरम के ऑर्किड सोसाइटी के सदस्यों ने अपने बेहतरीन फूलों, सावधानीपूर्वक तैयार किए गए बोनसाई पेड़ों और अन्य विशेष उत्पादों की एक शानदार श्रृंखला पेश की, जिससे एक मनोरम दृश्य तैयार हुआ। विशेष रूप से, आईसीएफआरई-बीआरसी ने एक जानकारीपूर्ण स्टॉल लगाया, जिसमें आगंतुकों को बांस और रतन प्रसार तकनीकों, बांस चारकोल के उत्पादन और लाइकेन की आकर्षक दुनिया के बारे में विस्तृत जानकारी देने वाले पैम्फलेट के माध्यम से ज्ञान का खजाना प्रदान किया गया। इसके अलावा, केंद्र ने स्वस्थ बांस और रतन के पौधों के चयन के साथ-साथ अपनी मुख्य गतिविधियों को प्रभावी ढंग से प्रदर्शित किया, जिसने काफी रुचि आकर्षित की।

उपस्थित किसानों के लिए एक समर्पित **तकनीकी सत्र** आयोजित किया गया, जिसमें उन्हें टिकाऊ कृषि पद्धतियों और संसाधन प्रबंधन के बारे में बहुमूल्य जानकारी दी गई। केवीके, आइजोल के **श्री लालवेनसांगा पचुआउ** ने एक जानकारीपूर्ण प्रस्तुति के साथ सत्र की शुरुआत की, जिसमें खाद बनाने, केंचुआ खाद बनाने और वर्मीवाश उत्पादन में शामिल प्रक्रियाओं को बारीकी से रेखांकित किया गया, साथ ही मिट्टी की उर्वरता बढ़ाने और पर्यावरण के अनुकूल कृषि को बढ़ावा देने में इन विधियों के महत्वपूर्ण लाभों को भी स्पष्ट किया गया।

इसके बाद, पीयूसी के अतिथि संकाय सदस्य डॉ. **अल्बाना एल. चावंगथु** ने मशरूम की पहचान पर एक विस्तृत प्रस्तुति के साथ दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। उन्होंने खाद्य और अखाद्य किस्मों के बीच अंतर को कुशलतापूर्वक समझाया, किसानों को सुरक्षित चारा और खेती के लिए महत्वपूर्ण ज्ञान से लैस किया और खाद्य मशरूम के सेवन से जुड़े कई स्वास्थ्य लाभों पर जोर दिया।

श्री सुभप्रदा बेहरा, वैज्ञानिक-बी, आईसीएफआरई-बीआरसी ने फिर भूमि प्रबंधन के व्यापक संदर्भ पर ध्यान केंद्रित किया, पूर्वोत्तर भारत के अद्वितीय पारिस्थितिक परिदृश्य के भीतर कृषि वानिकी के महत्व और व्यापक दायरे पर एक आकर्षक प्रस्तुति दी। उन्होंने कृषि उत्पादकता बढ़ाने और पर्यावरणीय स्थिरता को बढ़ावा देने की इसकी क्षमता पर प्रकाश डाला।

सत्र का समापन करते हुए, **श्री अरुण सुकुमारन**, वैज्ञानिक-बी, आईसीएफआरई-बीआरसी ने वन आनुवंशिक संसाधनों और वृक्ष पालन के महत्वपूर्ण क्षेत्र में गहनता से चर्चा की। उन्होंने आनुवंशिक विविधता के संरक्षण के महत्व का व्यापक अवलोकन प्रदान किया और स्थायी वानिकी और कृषि विकास के लिए वृक्ष पालन के व्यावहारिक अनुप्रयोगों पर चर्चा की।

मेले में लोगों की अच्छी-खासी उपस्थिति ने इस आयोजन को एक गतिशील व्यावसायिक केंद्र में बदल दिया, जिससे स्थानीय किसानों को अपने उत्पाद प्रदर्शित करने और बेचने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच मिला। इस प्रत्यक्ष बाजार पहुंच के परिणामस्वरूप उल्लेखनीय वित्तीय लाभ हुआ, जिसमें केवल दो दिनों में **कुल बिक्री चार लाख** से अधिक हो गई। तत्काल आर्थिक लाभ से परे, मेले ने स्थानीय आर्थिक विकास और उद्यमशीलता को बढ़ावा देने के लिए उत्प्रेरक का काम किया।

Tree Growers' Mela

Name of Event	Tree Growers' Mela
Date(s)	24/03/25 to 25/03/25
Duration	2 days
Venue	Aijal Club Park, Khatla, Aizawl, Mizoram
Purpose/Agenda	To provide a platform for farmers to showcase and sell their products, interact with scientific and technical personnel, and create awareness among people about the advantages of growing trees.
No. of Participants	100
No. of Visitors	Around 2000
Organizing Agency(s)	ICFRE-BRC, Aizawl
Funding Agency(s)	Indian Council of Forestry Research & Education (ICFRE), Dehradun (under CAMPA Extension)

Concise Details of the Event:

The ICFRE-Bamboo and Rattan Centre (ICFRE-BRC) in Aizawl organised a Tree Growers' Mela (TGM) themed "The Future is Green: Invest in Trees" at the Aijal Club Park from March 24 to 25, 2025. The inaugural session began at 10:00 AM on March 24. Shri Sandeep Yadav, Scientist-D and Head of ICFRE-BRC, welcomed attendees and introduced the concept of the Mela, highlighting its role in raising awareness about environmental conservation.

Dr. Nitin Kulkarni, Director of ICFRE-RFRI in Jorhat, participated virtually and addressed the audience on the pressing issue of climate change. He highlighted the necessity of increased tree planting as a key strategy for climate mitigation. He further emphasised the Mela's valuable contribution to educating young people about tree cultivation and environmental conservation and expressed his hopes for a successful and productive event**.**

Guest of Honour **Pu Lalnunsanga Khawlhring**, IFS, DFO Aizawl, acknowledged Mizoram's advantage in hosting an ICFRE center. He underscored the factual basis of climate change,

emphasising the potential for significant environmental damage, and advocated for tree cultivation as a sustainable and economical response.

In her address, the Guest of Honour, **Pi Ramdinliani**, IAS, Secretary of the Department of Agriculture and Farmers Welfare, underscored the significance of natural resource management. She highlighted the Mela's role in expanding tree plantation among growers, emphasising that planting trees is a vital, lifelong investment.

The Chief Guest, **Prof. Lalnilawma**, Hon'ble Minister of the Horticulture Department, delivered a compelling address that underscored the multifaceted importance of trees. He explored the profound environmental benefits, outlining how trees act as vital guardians of our ecosystem through processes like carbon sequestration, which is critical in mitigating the effects of climate change. Furthermore, he highlighted the significant economic advantages trees offer, from timber and fruit production to the creation of sustainable livelihoods. Equally important, the Minister emphasised the social benefits, recognising the contribution of green spaces to community well-being and an improved quality of life. Looking ahead, he expressed the Horticulture Department's keen interest in establishing a collaborative partnership with BRC, explicitly focusing on the cultivation and sustainable management of rattans.

A significant publication, **"Lichens of Mizoram"** by Shri Sandeep Yadav, Dr. Hans Raj Sharma, and Dr. Manish Kumar Singh, was released as part of the event's proceedings.

Sh. Subhaprada Behera, Scientist-B at ICFRE-BRC Aizawl, concluded the inaugural session by delivering a vote of thanks.

Prof. Lalnilawma, accompanied by esteemed dignitaries, ceremoniously inaugurated the bustling exhibition, which featured approximately twenty diverse stalls. Members of the Bonsai Association of Mizoram, the Mizoram Florists' Association, and the Orchid Society of Mizoram presented a stunning array of their finest flowers, meticulously crafted bonsai trees, and other specialised products, creating a captivating visual spectacle. Notably, ICFRE-BRC maintained an informative stall that offered visitors a wealth of knowledge through pamphlets detailing bamboo and rattan propagation techniques, the production of bamboo charcoal, and the fascinating world of lichens. Furthermore, the centre effectively displayed its core activities, along with a selection of healthy bamboo and rattan seedlings, drawing considerable interest.

A dedicated technical session was convened for the attending farmers, providing them valuable insights into sustainable agricultural practices and resource management. **Pu Lalvensanga Pachuau**, from KVK, Aizawl, initiated the session with an informative presentation, precisely outlining the processes involved in composting, vermicomposting, and vermiwash production, while also explaining the significant advantages of these methods in enhancing soil fertility and promoting eco-friendly agriculture. Subsequently, **Dr. Albana L. Chawngthu**, a Guest Faculty member from PUC, engaged the audience with a detailed presentation on mushroom identification. He skillfully

differentiated between edible and non-edible varieties, providing farmers with essential knowledge for safe foraging and cultivation, and further emphasised the numerous health benefits associated with consuming edible mushrooms. **Sh. Subhaprada Behera**, Scientist – B, ICFRE-BRC, then shifted the focus to the broader context of land management, delivering a compelling presentation on the importance and vast scope of agroforestry within the unique ecological landscape of Northeast India. He highlighted its potential to enhance farm productivity and promote environmental sustainability. Concluding the session**, Sh. Arun Sukumaran**, Scientist – B, ICFRE-BRC, explored the critical domain of forest genetic resources and tree domestication. He provided a comprehensive overview of the importance of conserving genetic diversity and discussed the practical applications of tree domestication for sustainable forestry and agricultural development.

The Mela's significant attendance transformed the event into a dynamic commercial hub, providing local farmers with a vital platform to showcase and sell their products. This direct market access resulted in remarkable financial gains, with **total sales exceeding four lakhs in just two days**. Beyond the immediate economic benefits, the Mela catalyzed local economic development and fostered entrepreneurship.

Figure 1: A-D: Welcoming & Felicitation of the Guests; E: Address by the Director; F-H: Address by the Guests

Figure 2: A-B: Releasing of Book; D: Inaguration of Mela; E-H: Visit to different stalls

Figure 3: A-D: Visit of Dignitaries to ICFRE-BRC stall; E-H: Technical session

Figure 4: B-E: People visiting ICFRE-BRC stall; F-H: Various stalls at the Mela

MEDIA COVERAGE

Subscription : Rs. 150/- per month
Single copy : Rs. 5/-
PDF : Rs 100/- per month
Office : Near Congress Bhavan, Tuikual South, Aizawl - 796001.
e-mail : aznewslink@gmail.com
WhatsApp: 9436152349

RNI REGN. No. 69023/98

English Daily

NEWSLINK

May the God of hope fill you with all joy and peace as you trust in him, so that you may overflow with hope by the power of the Holy Spirit.
Romans 15:13

Ph. 0389-7961483 Vol - XXVII No. 69 The Leading English daily in Mizoram Aizawl March 25, Tuesday 2025

Over Rs 1.41 crore worth heroin seized; businessman among eight arrested

Staff Reporter
Aizawl, March 24: In what is believed to be one of the largest drug seizures in Mizoram, police personnel posted at Zokhawthar village along the India-Myanmar border in Champhai district confiscated 4.722 kilogrammes of heroin valued at over Rs 1.41 crore. Six individuals were arrested on March 14, and subsequent investigation led to the arrest of two more suspects, including a prominent businessman, the following day.

Inspector General of Police (Headquarters) and Chief Public Relations Officer H. Ramthlengliana said on Monday that details of the seizure were only disclosed after a thorough investigation had been initiated. He added that efforts are ongoing to track down others who are still evading the police dragnet.

The incident occurred on the night of March 13, when Zokhawthar police personnel, during a routine mobile patrol along New Hruaikawn Road, stopped a taxi and three motorcycles. However, the vehicles sped away from the scene but were later apprehended by the police. Upon interrogation, it was revealed that 440 hawngs (packages) of heroin weighing 4.722 kilogrammes had been hidden near the location where the suspects were initially intercepted. The contraband was allegedly dumped as the suspects attempted to flee.

The six arrested individuals have been identified as Vanlalhriata (21), Zothansanga (20), Lallianmawia (19), and Lalmalsawma (21), all from Zokhawthar village; Chhuansawmlala (18) of Khuangphah village in Champhai district; and Zomuansanga of Bethel Veng locality in Champhai town. A criminal case under sections 21(c), 25, and 29 of the Narcotic Drugs and Psychotropic Substances (ND&PS) Act, 1985 has been registered at Zokhawthar police station.

Continuing their investigation, police arrested Henry Lalbiakzinga (34), a resident of Dinthar locality in Aizawl and one of the city's franchisees of FirstCry, a multinational retail company, along with Lalltluangzela (28) of Zokhawthar on March 15 in Aizawl.

In a separate case, personnel from Lunglei police station, in a joint operation with the 92nd Battalion of the BSF, seized 7,200 rounds of live ammunition (7.62 mm), six boxes of detonators, 12 coils of primary cord/cordex, and two coils of fuse wire from F. Lalltlanmawii (40), a resident of Sairep village currently residing in Lunglei town. Further investigation resulted in the arrest of three more suspects - Zonunpari (42) of Sairep (currently residing in Lunglei town), Zakaria Lalramdinpuia (38) of New Siaha in Siaha district, and Lalremtluanga (47). Criminal cases under section 25(1AA) of the Arms Act, read with section 5(a) of the Explosive Substances Act, have been registered against them at Lunglei police station.

Lunglei district police special branch officials also seized 259 grams of heroin on March 20. Those arrested in this connection include Lalianmawia (36) of Falam district in Myanmar, K. Lalchhanhima (63) of Aizawl, Lalhriatluanga (28) of Singai village in Myanmar, and Lalhmingliani (46) of Lunglei town. They have been booked under sections 21(c), 25, and 29 of the ND&PS Act, read with section 14(b) of the Foreigners Act, at Lunglei police station.

In yet another major seizure, police personnel manning the Khankawn Police Check Gate, locally known as Chalbawiha Junction, confiscated 40 barrels of substances suspected to be caffeine, weighing around 3,000 kilogrammes and valued at approximately Rs 45 lakh, on Sunday. Caffeine is often used as a precursor in the clandestine manufacture of methamphetamine in Myanmar.

Two individuals - K. Lalthianghlima (31) and Zonunsangi (30), both residents of Champhai town - have been arrested in connection with the caffeine seizure and booked under sections 25A and 29 of the ND&PS Act at Champhai police station.

CM announces reshuffle of ministerial portfolios, new changes effective from April

Staff Reporter
Aizawl, March 24: Mizoram governor Gen. VK Singh, on the advice of chief minister Lalduhoma, on Monday has announced a minor rejig of portfolios among Cabinet ministers and ministers of state, with changes coming into effect from April 1 next. The notification was issued by state chief secretary Khilli Ram Meena.

As per the reshuffle, the second-in-command of the Lalduhoma led Zoram people's movement (ZPM) administration K. Sapdanga will continue to hold the key home department, urban development & poverty alleviation, and department of personnel & administrative reforms. However, the disaster management & rehabilitation portfolio has been taken away from him.

Cabinet minister C. Lalsawivunga, who previously looked after local administration, district council & minority affairs, art & culture, and animal husbandry & veterinary, will now retain district council & minority affairs, art & culture, animal husbandry & veterinary, and additionally, the horticulture department. The LAD has been amalgamated with the rural development department being kept by minister of state Prof. Lalnilawma.

Vanlalthlana will continue as cabinet minister in charge of school education, higher & technical education, information & communicationtTechnology, while also heading the newly merged information, public relations and printing & stationery department. The separate printing & stationery department has recently been merged with the I&PR.

The lone woman cabinet minister Lalrinpuii will continue to hold health & family welfare, and social welfare, tribal affairs, women & child development departments, but the tourism portfolio she has been holding is given to minister of state Lalnghinglova Hmar.

Among the ministers of state, F. Rodingliana will retain power & electricity and commerce & industries, with the printing & stationery portfolio now amalgamated with the I&PR department under cabinet minister Vanlalthlana.

Prof. Lalnilawma will continue to oversee rural development and administration (administration means formerly local administration now merged with the RD), public health engineering, while horticulture department is reassigned to Lalsawivunga. Lalnilawma has been given additional responsibility of the disaster management & rehabilitation department, earlier kept by Sapdanga.

Minister of state Lalnghinglova Hmar will continue to retain labour, employment, skill development & entrepreneurship, sports & youth services, and excise & narcotics, while he will now also take on the tourism department earlier held by Lalrinpuii.

Meanwhile, the portfolios of the CM Lalduhoma, cabinet ministers Vanlalhlana, Lalthansanga and P.C. Vanlalruata remain untouched, there is also no change in the portfolios of minister of state B. Lalchhanzova.

Tree Growers Mela promotes environmental awareness in Aizawl

Staff Reporter
Aizawl, March 25: The ICFRE-Bamboo and Rattan Centre (ICFRE-BRC), Aizawl, organised a two-day Tree Growers Mela under the theme "The Future is Green: Invest in Trees" at the Aijal Club Park from March 24 to 25.

The event began with a welcome address by Sandeep Yadav, Scientist-D and Head of ICFRE-BRC, who introduced the concept of the Tree Growers Mela and highlighted its role in raising awareness on environmental conservation.

Chief Guest Prof. Lalnilawma, Minister of Horticulture, Government of Mizoram, in his inaugural address, spoke on the vital role trees play in contributing to economic and social wellbeing. He stressed that tree plantation and carbon sequestration are key measures to combat climate change. During the occasion, he also released a book titled 'Lichens of Mizoram'.

Guest of Honour Pi Ramdinliani, IAS, Secretary, Department of Agriculture and Farmers Welfare, emphasised the importance of sustainable natural resource management. She said that such events are instrumental in encouraging existing and potential tree growers to participate in conservation efforts.

Another Guest of Honour, Pu Lalnunsanga Khawlhring, DFO Aizawl, spoke on the reality of climate change and identified tree growing as one of the most practical and cost-effective solutions to address the crisis.

Dr. Nitin Kulkarni, Director of ICFRE-RFRI, Jorhat, in his speech, highlighted the importance of the Tree Growers Mela in creating awareness among the youth about the need to grow trees and protect the environment.

The programme concluded with a vote of thanks by Subhaprada Behera, Scientist-B, ICFRE-BRC, Aizawl.

AMC under fire for crores spent on hiring excavators despite owning machinery

Staff Reporter
Aizawl, March 24: The Aizawl Municipal Corporation (AMC) has come under sharp criticism from auditors for alleged mismanagement and unnecessary expenditure amounting to crores of rupees on the maintenance of the solid waste management centre (SWMC) at Tuirial. The findings were part of the Report of the Director of Local Fund Audit on the Accounts of Local Authorities for the financial years 2019-20 to 2022-23, which was recently tabled in the Mizoram Legislative Assembly by Chief Minister Lalduhoma.

The audit report pointed out that the AMC spent an astonishing Rs 1.26 crore on hiring private JCB excavators for waste management work at the Tuirial dumping site during the 2022-23 fiscal year alone. This, despite the corporation already possessing three excavators, one of which was received free of cost from the State Investment Project Management and Implementation Unit (SIPMIU), while the remaining two were procured at a cost of just over Rs 49.47 lakh.

Over the course of just 255 days, the civic body reportedly paid four private individuals nearly Rs 1.26 crore in hiring charges. The auditors flagged this as a major financial misstep and highlighted that the amount spent could have easily been used to purchase multiple new machines.

In response to queries from the auditors, AMC officials defended their decision, explaining that all three of their excavators were frequently out of service due to technical issues. They added that repair work often took several days, severely affecting daily waste management operations. "We collect an average of 93 tonnes of dry waste and 20.7 tonnes of wet waste every day. Even a single day's delay in managing these waste piles results in significant backlogs, causing problems for subsequent days," the officials said.

The civic body also maintained that there was no existing provision for purchasing additional excavators and that hiring rates negotiated by the AMC were lower than standard market rates.

However, the auditors rejected these explanations, stating in their report that such justifications were insufficient. The report noted, "Instead of spending Rs 1,25,72,907 in hiring JCBs for just one year, procuring three new JCBs would have been far more practical and economically sound."

The findings have raised serious questions about financial prudence and long-term planning within the AMC. Critics have pointed out that the civic body's failure to maintain its equipment and reliance on costly hiring arrangements reflect poor foresight and governance.

The issue has sparked debate in administrative and public circles alike, with calls for more stringent oversight on municipal spending. Some voices within the assembly have urged the government to ensure better financial management in urban bodies to prevent such wasteful expenditure in the future.

25/03/2025, 15:56 Tualchhung - Aizawlah Tree Growers Mela buatsaih

VANGLAINI

Home | Editorial | Guest Writer | Article

Aizawlah Tree Growers Mela buatsaih

25th March, 2025

ICFRE -Bamboo & Rattan Centre (BRC), Aizawl chuan nimin khan Aijal Club Park-ah 'Tree Growers Mela' an buatsaih a, Horticulture minister Prof. Lalnilawma'n a hawng. Mela thupui chu 'The Future is Green: Invest in Trees' tih a ni a, vawiinah chhunzawma zawh a ni ang.

Tree Growers' Mela neih chhung hian mipui en tur leh lei theihin thing leh mau ṭiak te, pangpar leh bonsai hrang hrang pho chhuah a ni a; nimin khan pangpar leh bonsai ching/buaipuitute pualin mithiamte'n composting, pa (mushroom), agroforestry leh forest fenetic resources & tree domestication chungchang an sawifiah.

Prof. Lalnilawma chuan, tun hnaiah tuihna kang chat leh tui thianghlim indiah lohna a awm nual thu a sawi a, "Thing leh mau humhalh lamah kan theihna zawn ṭheuha hma kan lak a ṭulzia a lang chiang hle. Thing phun uarah ringawt duh tawk loin, a puitlin ngei theihna tura enkawl zui a ṭul a, kan tu leh fate tana chenna tlak khawvel kan siam theihna hmanrua a ni," a ti a; thing leh mau humhalh turin mi tin a sawm.

Mela hawnna inkhawm hi ICFRE-BRC scientist-D & head Sahdeep Yadav-in a kaihruai a; khualzahawm Horticulture secretary Ramdinliani leh Aizawl DFO Lalnunsanga Khawlhring bakah, internet kaltlangin ICFRE-RFRI, Jorhat director Dr Nitin Kulkarni ten thu an sawi bawk.

Regd. No. 079272/47/A11/91
Editor: A.Zotinkhuma
Phone :9615028785
Address : Treasury Square, Aizawl.
email:zotin@rediffmail.com

THE ZORAM VOICE

'Thudik Chu Lei La, Hralh Leh Tawh Suh' *Thufingte 23:23*

VOLUME - XIII, ISSUE NO. 70, AIZAWL NITIN CHANCHINBU, MARCH 25, 2025 THAWHLEHNI *A man thla 1 ah Rs.100/-*

Jio Fiber
Jio Fiber Internet Bookings
Contact: 7005916728/9089394663/9366479021

World Oral Health Day

Nimin khan District Hospital Serchhip a Senior Chief Medical Conference Hall-ah, 'World Oral Health Day' hman a ni a, he hunah hian Dr H Lalengzauva, Dental Surgeon, District Hospital Serchhip chuan Ha leh ka chhungin mihring taksa hriselna thui taka a nghawng theih dan leh Ka chhung hriselna (Oral health) chungchang sawi-fiahin zirtirna a pe bawk a ni.

Hma la lo turin ngen

NGO Coordination Committee chuan Assam Rifles ten an chhuahsan ramte chu mimal, political party, Kohhran leh pawl hrang hrang te chu mahni hmun hma atana hma la lo turin a ngen. Mizorama tlawmngai pawl hrang hrang- Central YMA, MUP, MHIP, MZP, MSU intelkhawm, NGO nimin Aizawla thukhawm chuan Aizawl khawpui laili a Assam Ri-fles te chhuahsan hmun

TB natna vangin nikum-ah mi 148 in nunna chan

"WHO chuan 2030 ah Khawvel huapin TB natna umbo a tum" - *Health Minister*

Aizawl March 25: 1 *TB natna vei te puala Ni serh, World TB Day chu nimin khan khawvel hmun dang rualin Mizoram hmun hrang hrangah hman a ni a, nikum 2024 chhung khah Mizoramah TB vei hmuhchhuah thar 2,000 chuang awmin mi 148-in an thih phah.*

World TB Day hi Aizawlah chuan Directorate of Health & Medical Education Auditorium-ah Health Minister Lalrinpuii hovin hman a ni a, khuallian Health Minister chuan khawvel huapin WHO chuan 2030-ah TB umbo a tum a, India ram chuan hei aia kum 5-a hma kum 2025-ah hian umbo a tum thu a sawi a, hei hi a hlawh-tlin theihna turin hmalakna hrang hrang active case finding campaign-te, TB free village te, chaw tha hmanga TB damlo chhawm-dawlna Nikshay Mitra te, Ni 100 chhunga TB umbo beihpui thlak mekte chu hmalakna langsar tak anih thu a sawi. Kum 2024 chhungin Mizorama khaw 122 chu TB hri vei awm lohna khua (free village) ah puan a nih thu te, TB free village ni thei khua-te hi a zawna he dinhmun chelh thei turin kumin chhung ngeiin tran nasa taka lo la turin a chah bawk.

He hunah hian Aizawl district chhunga 2024 chhunga TB vei awmlohna khua (free village ni thei khua-te chawimawina hlan an ni a. He huna an tarlandain, 2024 khan TB vei nia rinhlelh mi 26,343 endikah mi 2,313 in TB an vei tih hmuhchhuah an ni a, TB natna vanga nunna chan hi mi 148 an awm a ni.

Lungleiah chuan

(Phek hnungah zawmna)

Sumdawng hlawhtling Henry Lalbiakzinga Drugs kaihhnawihah man a ni

Ni 2 awh Tree Growers Mela

ICFRE-Bamboo and Rattan Centre, Aizawl buatsaihin Ni 2 awh Tree Growers Mela "The Future is Green: Invest in Trees" tih chu Aijal Club Park ah nimin atang khan tan a ni a. He hun hi Horticulture Minister Prof. Lalnilawma'n khuallian niin a hmanpui.

Khuallian Prof. Lalnilawma chuan thusawiin, Ram ngaw, Thing leh Mau phun a tangkaina leh a pawimawh zia uar takin a sawi a, sik leh sa danglam zel tur leh Tuihna kal ral zel tur venna kawngah thing phun hian nasa takin nghawng a neih thu a sawi a, thingphun uar deuh deuh turin kalkhawm mipui te a chah bawk.

Minister hian leh-khabu "Lichens of Mizoram" tih chu a tlangzarh nghal bawk a. Sandeep Yadav, Scientist-D & Head ICFRE-BRC in kalkhawmte lawmna thu sawiin Tree Growers Mela buatsaih a nih chhan leh kan chhehvel ram ngaw humhalhna a tan a hmalak na pawimawh tak anih thu a sawi.

He hun hi Lalnunsanga Khawlhring, DFO Aizawl leh Horticulture Secretary Ramdinliani, IAS, khual zahawmin an hmanpui bawk a. Director, ICFRE-RFRI Jorhat Dr. Nitin Kulkarni pawhin thusawiin Tree Growers Mela chu thangthar te tan thingphun pawimawhna leh kan chhehvel ram ngaw leh nungchate humhalhna kawngah inzirtirna pawimawh tak a nih thu a sawi bawk.

Subhaprada Behera, Scientist-B, ICFRE-BRC Aizawl in kalkhawm-te hnenah lawmthu sawi-na hun a hman zawhin, a duh apiangte lei theih leh entheih turin pangpar, thlai tiak, nauban chi hrang hrang te leh bonsai mawi tak tak te phochhuahna, ni 2 awh tur Tree Growers Mela hi tan nghal a ni a, vawiin Thawhlehni thleng a awh ang.

LPS NEWS
AIJAL CLUB PARK-AH TREE GROWERS' MELA NEIH A NI
TUALCHHUNG
24.03.2025, Thawhtanni
ORIENT GOLDSMITH
LPS
Activate Windows
Go to Settings to activate Windows.